भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 143 #

गुरूवार, 29 जनवरी, 2026/09 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

प्रसाद योजना के अंतर्गत सांस्कृतिक कॉरिडोर

143 # श्री धैर्यशील मोहन पाटिलः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार प्रसाद योजना के अंतर्गत रायगढ़ एवं रत्नागिरी ज़िलों में स्थित बल्लालेश्वर मंदिर (पाली), वरद विनायक मंदिर (महाड) तथा गणपतिपुले मंदिर को जोड़ते हुए एक सांस्कृतिक कॉरिडोर विकसित करने का प्रस्ताव रखती है;

(ख) यदि हाँ, तो स्वीकृत अथवा विचाराधीन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या इस सांस्कृतिक कॉरिडोर के लिए प्रसाद योजना के अंतर्गत अवसंरचना विकास, विरासत संरक्षण एवं तीर्थयात्री सुविधाओं हेतु केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रस्तावित है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): धार्मिक एवं तीर्थयात्रा पर्यटन सहित पर्यटन स्थलों और पर्यटन उत्पादों का विकास एवं संवर्धन, मुख्यतः संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय, संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से अपनी योजनाओं तथा पहलों के माध्यम से पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय की "तीर्थयात्रा कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान" (प्रशाद) नामक योजना का उद्देश्य तीर्थ और विरासत स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना को समग्र रूप से विकसित करके अध्यात्म और तीर्थयात्रा के अनुभव को बेहतर बनाना है।

प्रशाद योजना के तहत, मंत्रालय ने 28 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में कुल 1,726.74 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत की 54 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें महाराष्ट्र राज्य में वर्ष 2017-18 की 45.41 करोड़ रुपये की लागत की नासिक स्थित "त्र्यंबकेश्वर का विकास" नामक एक परियोजना शामिल है।

प्रशाद योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रस्तावों की प्रस्तुति एक सतत प्रक्रिया है। राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार जांच की जाती है और निर्धारित शर्तों की पूर्ति तथा निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

वर्तमान में, रायगढ़ और रत्नागिरी जिलों में स्थित बल्लालेश्वर मंदिर (पाली), वरद विनायक मंदिर (महाड) और गणपतिपुले मंदिर को जोड़ने वाले सांस्कृतिक गलियारे के विकास संबंधी कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

******